भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
01.04.2026 के
अतारांकित प्रश्न सं. 6152 का उत्तर

रेलवे का विद्युतीकरण

6152. श्री सागर ईश्वर खंड्रे:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि उत्तर कर्नाटक में रेलवे को विद्युतीकरण और दोहरीकरण के कार्य अन्य क्षेत्रों की तुलना में धीमी गति से चल रहे हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) उक्त क्षेत्र में विद्युतीकरण और दोहरीकरण परियोजनाओं की वर्तमान स्थिति का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या कोई वित्तपोषण संबंधी बाधाएं हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) सरकार द्वारा कर्नाटक में रेलवे लाइनों के आधुनिकीकरण में तेजी लाने के लिए उठाए गए कदमों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री
(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (घ):

<u>रेल विद्युतीकरण:</u>

भारतीय रेल में रेल नेटवर्क का विद्युतीकरण मिशन मोड में शुरू किया गया है। अब तक, बड़ी लाइन नेटवर्क का लगभग 99.4% विद्युतीकृत किया जा चुका है। शेष नेटवर्क का विद्युतीकरण कार्य शुरू हो गया है। वर्ष 2014-25 के दौरान और वर्ष 2014 से पहले किए गए विद्युतीकरण का ब्यौरा निम्नानुसार है:

अवधि	मार्ग कि.मी.
2014 से पहले (लगभग 60 वर्ष)	21,801
2014-25	46,900

कर्नाटक में, बड़ी लाइन नेटवर्क का 97% विद्युतीकरण किया गया है और शेष नेटवर्क का अर्थात् व्यास कॉलोनी-अमराबती कॉलोनी (120 मार्ग कि.मी.) में विद्युतीकरण कार्य शुरू कर दिया गया है।

<u>कर्नाटक</u>

<u>रेल बजटः-</u>

हाल के वर्षों में बजट आबंटन में उल्लेखनीय वृद्धि की गई है। कर्नाटक राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली अवसंरचना परियोजनाओं और संरक्षा कार्यों के लिए बजट आबंटन निम्नानुसार है:

अवधि	परिव्यय
2009-14	835 करोड़ रु. प्रति वर्ष
2025-26	7,564 करोड़ रु. (9 गुना से अधिक)

<u>स्वीकृत परियोजनाएं:</u>

01.04.2025 की स्थिति के अनुसार, कर्नाटक में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली 3,264 किलोमीटर लंबाई की 25 परियोजनाएं (15 नई लाइनें, 10 दोहरीकरण) जिनकी लागत 42,517 करोड़ रु. है, स्वीकृत की गई हैं। इनका सारांश निम्नानुसार है:-

कोटि	स्वीकृत परियोजनाओं की संख्या	कुल लंबाई (किलोमीटर में)	मार्च, 2025 तक कमीशन की गई लंबाई (कि.मी.)	मार्च, 2025 तक व्यय (करोड़ रु. में)
नई लाइन	15	2,034	421	8,794
दोहरीकरण/बहुपथन	10	1,230	973	12,516
कुल	25	3,264	1,394	21,310

<u>हाल ही में पूरी की गई परियोजनाएं:</u>

कर्नाटक में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली तथा हाल ही में पूरी की गई कुछ परियोजनाओं का विवरण निम्नानुसार है:

क्र. सं.	परियोजना	लागत (करोड़ रुपए में)
1	कोत्तूर-हरिहर नई लाइन (65 किलोमीटर)	468
2	हासन-बेंगलोर नई लाइन (167 किलोमीटर)	1,290
3	बीदर-गुलबर्गा नई लाइन (110 किलोमीटर)	1,543
4	शिवानी-होसदुर्ग रोड दोहरीकरण (10 किलोमीटर)	50

5	शिवानी-बिरुर दोहरीकरण (29 किलोमीटर)	143
6	होसदुर्ग-चिकजाजुर दोहरीकरण (29 किलोमीटर)	260
7	रामनगरम-मैसूर कहीं-कहीं दोहरीकरण (94 किलोमीटर)	998
8	यलहंका-चन्नसंद्रा दोहरीकरण (13 किलोमीटर)	108
9	यशवंतपुर-यलहंका दोहरीकरण (12 किलोमीटर)	95
10	नेत्रावती-मंगलौर सेंट्रल दोहरीकरण (2 किलोमीटर)	28
11	कनकनाडि-पनम्बूर दोहरीकरण (19 किलोमीटर)	350
12	अरसीकेरे-तुमकूर दोहरीकरण (96 किलोमीटर)	758
13	यलहंका-पेनुकोंडा दोहरीकरण (123 किलोमीटर)	1,104
14	दौंड-गुलबर्गा दोहरीकरण (225 किलोमीटर)	3,182
15	हुबली-चिकजाजुर दोहरीकरण (190 किलोमीटर)	1,850

<u>चालू परियोजनाएं:-</u>

कर्नाटक में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली कुछ परियोजनाएं, जो शुरू की गई हैं, निम्नानुसार हैं:

क्र.सं.	परियोजना	लागत (करोड़ रुपए में)
1	होसपेटे-हुबली-लोंडा-वास्को-द-गामा दोहरीकरण (312 किलोमीटर)	4,153
2	होटगी-गदग दोहरीकरण (284 किलोमीटर)	2,459
3	गिणिगेरा - रायचूर नई लाइन (165 किलोमीटर)	3,401
4	गदग - वाडी नई लाइन (257 किलोमीटर)	2,842
5	बागलकोट - कुडची नई लाइन (142 किलोमीटर)	1,649
6	तुमकूर - रायदुर्ग नई लाइन (207 किलोमीटर)	2,496
7	तुमकूर - दावणगेरे नई लाइन (182 किलोमीटर)	2,142
8	कडूर - चिकमगलूर-बेलूर नई लाइन (68 किलोमीटर)	825
9	बैयप्पनहल्ली - होसुर दोहरीकरण (48 किलोमीटर)	336
10	यशवंतपुर - चन्नसंद्रा दोहरीकरण (22 किलोमीटर)	314
11	होसपेटे-बल्लारि तीसरी और चौथी लाइन (65 किलोमीटर)	2,372
12	बल्लारि-चिकजाजूरु दोहरीकरण (185 किलोमीटर)	3,342
13	बेट्टहलसूरु-राजानुकुंटे के बीच बाईपास लाइन (6 किलोमीटर)	248

भूमि अधिग्रहण के कारण लंबित कुछ प्रमुख परियोजनाओं का ब्यौरा निम्नानुसार है: -

क्र.सं.	परियोजना	कुल आवश्यक भूमि (हेक्टेयर में)	अधिगृहीत की गई भूमि (हेक्टेयर में)	अधिग्रहण किए जाने हेतु शेष भूमि (हेक्टेयर में)
1	शिमोगा - राणिबेन्नुर नई लाइन (96 किलोमीटर)	559	226	333
2	बेलगाम - धारवाड नई लाइन (73 किलोमीटर)	581	0	581
3	शिमोगा - हरिहर नई लाइन (79 किलोमीटर)	488	0	488
4	व्हाइटफील्ड-कोलार नई लाइन (53 किलोमीटर)	337	0	337
5	हासन-बेलूर नई लाइन (32 किलोमीटर)	206	0	206

कर्नाटक में भूमि अधिग्रहण की स्थिति का सारांश इस प्रकार है:-

कर्नाटक में परियोजनाओं के लिए कुल आवश्यक भूमि	9,064 हेक्टेयर
अधिगृहीत भूमि	5,707 हेक्टेयर (63%)
अधिग्रहण हेतु शेष भूमि	3,357 हेक्टेयर (37%)

भारत सरकार परियोजनाओं को निष्पादित करने के लिए तैयार है, बहरहाल इनकी सफलता कर्नाटक राज्य सरकार के सहयोग पर निर्भर करती है।

किसी भी रेल परियोजना की स्वीकृति कई मानदंडों/कारकों पर निर्भर करती है, जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

- **प्रत्याशित यातायात अनुमान और प्रस्तावित मार्ग की लाभप्रदता**
- **परियोजना द्वारा प्रदान की गई प्रथम और अंतिम स्थान तक संपर्कता**
- **अनुपलब्ध कड़ियों को जोड़ना और अतिरिक्त मार्ग प्रदान करना**
- **संकुलित/संतृप्त लाइनों का संवर्धन**
- **राज्य सरकारों/केंद्रीय मंत्रालयों/जन प्रतिनिधियों द्वारा उठाई गई मांगें**
- **रेलवे की अपनी परिचालन संबंधी आवश्यकताएँ**
- **सामाजिक-आर्थिक महत्व**
- **निधियों की समग्र उपलब्धता**

रेल परियोजना/परियोजनाओं का पूरा होना कई कारकों पर निर्भर करता है, जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

- **राज्य सरकार द्वारा भूमि अधिग्रहण**
- **वन संबंधी मंजूरी**
- **अतिलंघी जनोपयोगी सुविधाओं का स्थानांतरण**
- **विभिन्न प्राधिकरणों से सांविधिक स्वीकृतियां**
- **क्षेत्र की भूविज्ञानी और स्थलाकृतिक स्थिति**
- **परियोजना स्थल के क्षेत्र में कानून और व्यवस्था की स्थिति**
- **परियोजना स्थल विशेष के लिए वर्ष में कार्य करने वाले महीनों की संख्या आदि**

ये सभी कारक परियोजनओं के समापन समय और लागत को प्रभावित करते हैं।

*****